

उत्तराखंड में हमि तेंदुए छह साल में बढ़कर 121 हुए

चर्चा में क्यों?

23 अक्टूबर, 2022 को वशिव हमि तेंदुआ दविस के मौके पर उत्तराखंड वन वभिग ने इन्हें लेकर आँकड़े जारी कयि। इनके अनुसार राज्य में करीब 121 हमि तेंदुए हैं। 2016 में एक आँकलन के दौरान इनकी संख्या 86 के आसपास थी।

प्रमुख बदि

- वन वभिग के आँकड़ों के अनुसार उत्तराखंड के हमिलयी कषेत्रों में हमि तेंदुओं (Snow leopard) का कूनबा बढ़ रहा है, जो कजैव-वविधिता के लहिज से शुभ संकेत है। सनो लेपर्ड दुनिया के सबसे खूबसूरत और दुर्लभ जीवों में से एक है। राज्य में लंबे समय से हमि तेंदुओं की गणना और इस दुर्लभ जीव को संरक्षण करने के प्रयास चल रहे थे, इन कोशिशों के सफल नतीजे भी अब देखने को मलि हैं।
- चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन समीर सनिहा ने बताया किराज्य में हमि तेंदुए के लयि उपलब्ध कषेत्रफल के 12764.35 वर्ग कमी. का सर्वे कयि गया है। यह गनिती 2 चरणों में पूरी हुई। इसमें गोवदि राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्य जीव वहिर, केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग, नंदा देवी बायोस्फयिर के उच्च स्थलीय कषेत्र तथा उत्तराखंड के ट्रांस हमिलयी कषेत्र शामिल कयि गए।
- इस वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार उत्तराखंड में हमि तेंदुओं की अनुमानति संख्या 121 आँकी गई। हमि तेंदुए राज्य के 3000 मीटर की ऊँचाई वाले हमिलयी कषेत्र में रहते हैं। कैमरा ट्रैप में हमि तेंदुओं की गतविधियाँ अक्सर नज़र आती हैं। उत्तराखंड के उत्तरकाशी की नेलांग वैली में भी हमि तेंदुओं, यानी सनो लेपर्ड को कई बार देखा गया है।
- हमि तेंदुआ का वैज्ञानिक नाम पैंथेरा अनकयिा (*Panthera uncia*) है। हमि तेंदुआ खाद्य शृंखला में शीर्ष शिकारी के रूप में अपनी स्थितिके कारण पहाड़ के पारस्थितिकी तंत्र के स्वास्थय के एक संकेतक के रूप में कार्य करता है।
- हमि तेंदुए को IUCN की वशिव संरक्षण प्रजातियों की रेड लिस्ट में सूचीबद्ध कयिा गया है। इसके अलावा यह लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES) के परशिषिट-1 में भी सूचीबद्ध है। यह भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधनियम, 1972 की अनुसूची-1 में सूचीबद्ध है।
- भारत सरकार ने हमि तेंदुए की पहचान उच्च हमिलय की एक प्रमुख प्रजातिके रूप में की है। भारत वर्ष 2013 से वैश्विक हमि तेंदुआ एवं पारस्थितिकी तंत्र संरक्षण (GSLEP) कार्यक्रम का हसिसा है।
- अक्टूबर 2020 में हमि तेंदुओं की रक्षा के लयि 'हमिलय संरक्षक' नामक एक सामुदायिक स्वयंसेवक कार्यक्रम शुरू कयिा गया था।
- वर्ष 2019 में 'सनो लेपर्ड पॉपुलेशन असेसमेंट' पर फर्स्ट नेशनल प्रोटोकॉल भी लॉन्च कयिा गया, जो इसकी आबादी की नगिरानी के लयि बहुत उपयोगी है।
- वर्ष 2009 में हमि तेंदुओं और उनके नविस स्थान के संरक्षण के लयि एक समावेशी एवं सहभागी दृष्टिकोण को बढ़ावा देने हेतु 'हमि तेंदुआ परयोजना' शुरू की गई थी।
- हमि तेंदुआ संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम पँजा नायडू हमिलयन जूलॉजिकल पार्क, दार्जलिगि, पश्चिम बंगाल में शुरू कयिा गया है।
- उल्लेखनीय है किरमध्य एशिया के पहाड़ी परदिश्य में हमि तेंदुआ का एक वशिल, लेकनि खंडति वतिरण है, जो हमिलय के वभिन्न हसिसों, जैसे- लददाख, हमिचल प्रदेश, उत्तराखंड और सकिकमि को कवर करता है।
- हमि तेंदुए उन ऊँचे पहाड़ी इलाकों में रहते हैं, जो 18,000 फीट की ऊँचाई पर हैं, ज़्यादातर इस तरह के कषेत्र हमिलय में हैं। चीन और मंगोलया में हमि तेंदुओं की संख्या सबसे अधिक है। वे नेपाल, भारत, पाकस्तान और रूस में भी पाए जाते हैं।
- गौरतलब है किर 23 अक्टूबर, 2013 को हमि तेंदुए के संरक्षण पर पहले वैश्विक मंच के दौरान बशिकेक घोषणा को अपनाया गया था। फोरम किरगिस्तान की राजधानी बशिकेक में आयोजति कयिा गया था। वर्ष 2014 में, बशिकेक घोषणा की एक साल की सालगिरह मनाने के लयि, मंच पर मौजूद बारह देशों ने 23 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय हमि तेंदुआ दविस घोषति कयिा।